

**तंजावुर आर. गोविंदराजन**  
अकादेमी पुरस्कार:  
कर्नाटक वाद्य संगीत (थविल)



**THANJAVUR R. GOVINDARAJAN**  
Akademi Award:  
Carnatic Instrumental Music (Thavil)

तमिलनाडु के तंजावुर में 19 मई 1952 को जन्मे, श्री तंजावुर आर गोविंदराजन ने अपने पिता श्री तंजावुर आर. राजमन्नार से कर्नाटक वाद्य संगीत (थविल) का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और फिर इसके बाद आपने श्री नीडमंगलम शन्मुगवडिवेल पिल्लई और नचियारकोविल राघव पिल्लई जैसे गुरुओं के संरक्षण में अपनी प्रतिभा को निखारा। आपका सम्बंध तंजावुर परम्परा से है।

श्री गोविंदराजन ने देश-विदेश में कर्नाटक संगीत के कई दिग्गज कलाकारों के साथ संगत किया है। आपने बहुत से छात्रों को थविल वादन का प्रशिक्षण भी दिया है। तमिलनाडु राजकीय संगीत महाविद्यालय, थिरुवैयरु में आप थविल के व्याख्याता के पद पर रहे हैं।

कर्नाटक वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए आपको देश के कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है।

श्री तंजावुर आर. गोविंदराजन को कर्नाटक वाद्य संगीत (थविल) में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 19 May 1952 at Thanjavur in Tamil Nadu in a family of musicians, Shri Thanjavur R. Govindarajan received his initial training in Carnatic instrumental music - Thavil from his father Shri Thanjavur R. Rajamannar, and later groomed his talent under the tutelage of Shri Needamangalam Shanmugavadivel Pillai and Nachiyarkovil Raghava Pillai. He belongs to the Thanjavur tradition.

Shri Govindarajan has accompanied many stalwarts of Carnatic music in India and abroad. He has trained many students. He has worked with the Tamil Nadu Government Music College, Thiruvaaiyaru as Lecturer of Thavil.

For his contribution in the field of Carnatic instrumental music, he has been honoured by many prestigious cultural institutions in the country.

Shri Thanjavur R. Govindarajan receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for his contribution to Carnatic instrumental music.